(2)

Mentorship Program
Mukherjee Nagar

Drishti Mentorship Program Mains-2023

निबंध (ESSAY) - 9

निर्धारित समय: 3 घंटे
Time allowed: 3 Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Praduman kumar
Mobile Number:
Medium (English/Hindi): Hindi
Email:
Center & Date: Mukharji nagar
UPSC Roll No.: 0811492

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A	04	48
खंड-B Section-B	06	53
सकल योग (Grand Total)		101

EC-603
मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

- संदर्भ दक्षता अच्छी है।
- परिचय दक्षता एवं निष्कर्ष दक्षता ठीक है।
- विषयवस्तु की समझ अच्छी है, बाकी यथास्थान सुझावों पर ध्यान दें।
- पैराग्राफ के संदर्भ में सुझावों पर विशेष ध्यान दें।
- भाषाशैली पठनीय है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड-A/SECTION-A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. पुस्तकालय मन के लिए एक अस्पताल है।
   A library is a hospital for the mind.
2. भारत केवल एक संतुलन शक्ति होने के बजाय एक अग्रणी शक्ति है।
   India is a leading power rather than just a balancing power.
3. संस्कृति मन की नींव है, मन संस्था की नींव है, और संस्था राष्ट्र की नींव है।
   Culture is the foundation of the mind the mind is the foundation of institution, and institution are the foundation of a nation.
4. कम्फर्ट जोन एक खूबसूरत जगह है, लेकिन वहां कभी कुछ नहीं उगता।
   A Comfort zone is a beautiful place, but nothing ever grows there.

कम्फर्ट जोन एक खूबसूरत जगह है, लेकिन वहां कभी कुछ नहीं उगता।

एक राजा के यहां एक बच्चे का जन्म हुआ। उसका लालन पोषण पूरी शानो शौकत के साथ हुआ। उसे उसके पूरे बचपन एवं यौवन काल तक दुख एवं परेशानी जैसी किसी सोच का आभास तक नहीं हुआ। उसका घर जो कि महल था पूरी सुख सुविधाओं से सम्पन्न था। एक दिन वह सहसा नगर भ्रमण के लिए निकला, तब उसने

Copyright – Drishti The Vision Foundation

जीवन में व्याप्त समस्याओं एवं कष्टों को देखा। उसी दिन से वह मानव मात्र के कल्याण के लिये अपना सुविधा सम्पन्न जीवन छोड़ के संन्यासी जीवन व्यतीत करने को प्रण लिया। उस व्यक्ति के अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने का ही परिणाम था कि वह आगे चलकर महात्मा बुद्ध कहलाये, वर्तमान में उनके करोड़ो अनुयायी है।

महात्मा बुद्ध की यह कहानी हमें यही सीख देती है कि व्यक्ति अपने कम्फर्ट जोन में कम उत्पादक होता है। और यदि वह इस कम्फर्ट जोन को छोड़कर बाहर निकल जाये तो वह महान व्यक्ति बन जाता है।

अब यहाँ यह समझना जरूरी है कि कम्फर्ट जोन का मतलब क्या है?

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

साधारण शब्दों में समझे तो यह वह अवस्था होती है जब हमें कोई परेशानी समस्या, कष्ट नहीं होता अर्थात् यह व्यक्ति के सुविधासंपन्न जीवन को और इशारा करता है। आइये ऐसे कई उदाहरणों से समझते है कि अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलके व्यक्ति क्या से क्या बन सकता है।

प्राचीन समय में मैसोडोनिया के २३ वर्षीय राजा की जिज्ञासा का ही परिणाम था कि वह अपने राज्य से बाहर निकल विश्व विजय के लिये निकला तथा आज की दुनिया उसे सिकन्दर के नाम से जानती है यह सिकन्दर के अपने कम्फर्ट जोन के बाहर निकलने के कारण ही सम्भव हुआ। वरना कितने राजा आये, और अपने कम्फर्ट जोन में रहे और उसी में मर गये। ऐसे अनेक उदाहरण मौजूद है

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

जैसे चन्द्रगुप्त हो या अशोक, शक सम्राट रुद्रदामन हो या कुषाण शासक कनिष्क, कण्व वंश के वासुदेव हो सातवाहन वंश के सिमुक सभी ने अपने-अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलकर ही नाम किया है कि आज तक इतिहास इन्हे याद रखता है।

कम्फर्ट जोन व्यक्ति को आलसी, स्वार्थी, निष्क्रिय एवं कायर बनाता है ऐसे व्यक्ति ना तो समाज न ही देश के लिए किसी काम के होते है। बल्कि वो स्वार्थ में रत रहकर अपने एवं देश, समाज के लिए नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करते हैं।

गांधी जी द्वारा वकालत छोड़कर स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा लेना इसी कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने का ही परिणाम था कि आज वो राष्ट्रपिता के रूप में माने जाते हैं जिसे देखकर कई युवाओं जैसे- नेहरू, वल्लभभाई पटेल,

लेखन शैली में अशुद्धियों पर ध्यान दें

Copyright – Drishti The Vision Foundation

राजेन्द्र प्रसाद, सुभाषचन्द्र बोस आदि ने अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने का काम किया तथा आज तक इनको याद किया जाता है।

समाज के प्रति उत्सुक व्यक्ति जैसे समाज में सुधार करने, अपने परिवेश को सुधारने आदि की ललक हो वही ऐसे कम्फर्ट जोन को छोड़ सकता है। अमेरिका में दास प्रथा समाप्ति की बात हो, तो लिंकन का बलिदान, एवं संघर्ष याद आता है जिन्होंने राष्ट्रपति रहते हुये, अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकल हाशिये पर रहने वाले दासों को अधिकार दिलाया।

भारत में परिप्रेक्ष्य में ले तो सती प्रथा के लिए राजा राम मोहन, विधवा पुनर्विवाह के लिये ईश्वरचन्द्र विद्यासागर, बाल विवाह के उन्मूलन के लिये शारदा देवी दलितों के उत्थान एवं विकास के लिए डॉ० भीमराव अम्बेडकर, एवं ज्योतिबा फूले

Copyright – Drishti The Vision Foundation

जनजातीय के कल्याण के बलिये अलग/ राय ये सभी अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलके ही अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सके हैं।

यदि ये सभी अपने कम्फर्ट जोन में रहने को ही अपना जीवन का लक्ष्य बनाते तो ये इतने उत्पादक एवं समाजसेवी के रूप में आज तक याद न किये जाते।

पैराग्राफ को अंत से नहीं बल्कि शुरुआत से थोड़ा खिसकाकर स्थान छोड़कर प्रारंभ करें।

इसी बात को यदि महिलाओं के परिपेक्ष्य में ले तो घर पर रहना एक अर्थ में महिलाओं के लिये सुरक्षित एवं कम्फर्ट जगह होती है किन्तु वहा रहकर वे अपने समाज, एवं देश के लिये वो सब नहीं कर सकती जो घर से बाहर निकलके, अर्थव्यवस्था में भाग लेके,

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

राजनीति में भाग लेके देश के लिए कर सकती हैं।

इसी कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने का ही परिणाम था कि कोलबंस द्वारा अमेरिका की खोज की गई तथा वास्कोडिगामा द्वारा भारत की खोज की गई वर्तमान का वैश्वीकरण होता विश्व भी इसी कम्फर्ट जोन के बाहर निकलने के कारण ही संस्कृति, सम्पदा, कौशल, तकनीक एवं प्रौद्योगिकी का आदान-प्रदान कर पा रहा है।

वर्तमान में हो रहे अंतरिक्ष अन्वेषण, चन्द्रमा तक पहुंच, बुध तक पहुंच अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलकर; अंतरिक्ष तक जाने की सोचने का ही परिणाम है। विभिन्न देश इस ओर ध्यान आकर्षित कर आगे बढ़ रहे हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

अब यदि निबंध के इसी पहलू पर ध्यान दें कि कम्फर्ट जोन ऐसी जगह है जहाँ कुछ नहीं उग सकता, तो पूर्णतः सही नहीं है। आप समझते हैं कैसे कम्फर्ट जोन में रहना भी कभी-कभी लाभदायक हो सकता है।

द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात संसार दो ध्रुवों में बंट गया पूंजीवादी (अमेरिका) एवं साम्यवादी (रूस) दोनों के मध्य शीत युद्ध के रूप में वैचारिक द्वंद्व चला जिसमें पाकिस्तान ने पूंजीवादी गुट अमेरिका का वैचारिक ~~सम्पर्क~~ समर्थन किया वहीं भारत ने अपने कम्फर्ट जोन अर्थात तटस्थता को बनाये रखते हुये गुटनिरपेक्षता की नीति का पालन किया।

पाकिस्तान एवं भारत की वर्तमान स्थिति से यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि दोनों में से

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

किसका कदम सही था।

वर्तमान के रूस-यूक्रेन युद्ध से भी समझ सकते हैं कि कैसे भारत दोनों गुटों के मध्य संतुलन साधते हुए कम्फर्ट जोन में रहना ही पसंद कर रहा एवं तटस्थता बनाये हुये है

इस प्रकार कह सकते हैं कि व्यक्ति अपने ~~कम्फर्ट~~ कम्फर्ट जोन में रहकर भी उत्पादक वर्क कर सकता है। कभी-कभी यही कम्फर्ट जोन व्यक्ति के लिये साहस एवं शक्ति का स्रोत हो सकता है जो व्यक्ति को आत्म अभिप्रेरित रख सकता है जैसे डॉक्टर द्वारा उनके कम्फर्ट जोन अर्थात अस्पताल में अधिक उत्पादक होने की सम्भावना ~~रहती~~ रहती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

यदि निबंध को थोड़ा और विस्तार दें एवं निबंध के अन्य पहलू पर नजर डालें तो एक बात और निकलकर आती है कभी कभी अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलना भी नुकसानदायक हो सकता है। आइये कुछ उदाहरण से समझते हैं कैसे?

16-17 वीं शताब्दी में यूरोप में पुनर्जागरण हुआ जिसके परिणाम स्वरूप, वैज्ञानिक खोजों को बढ़ावा दिया दिया गया। इसी वैज्ञानिक खोज एवं स्पर्धात्मकता का ही परिणाम था कि यूरोप देश अपने कम्फर्ट जोन अर्थात् अपनी सीमाओं से बाहर निकले तथा औपनिवेश बनाया। जिससे अन्ततः गरीब, अविकसित देशों का शोषण हुआ।

ऐसे ही यूरोप में शुरू हुई

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

औद्योगिक क्रांति जिससे यूरोप में उत्पादन बढ़ा, बाजार की खोज हुई, स्पर्धा बढ़ी तथा और अधिक उत्पादन पर बल दिया गया। इन सबका ही परिणाम हम आज पर्यावरण क्षरण के रूप में देखते हैं।

औद्योगिक युग में कार्बन का अतिशय उत्सर्जन हुआ, जिसकी कीमत आज हमें पर्यावरण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, वैश्विक तापन के रूप में दिख रही है तथा आज पूरा विश्व इससे प्रभावित है। ये सभी अपने कम्फर्ट जोन के अत्यधिक बाहर निकलने का ही परिणाम है।

कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने के परिणाम स्वरूप अंतरिक्ष खोजें हो रही जो मानवीय विकास में योगदान कर सकती हैं किन्तु यही वैज्ञानिक क्रांति के अतिशय प्रसार का परिणाम है परमाणु बम जिसकी

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

त्रासदी रूप जापान के हिरोशिमा एवं नागासाकी बम हमले के रूप में जानते हैं। यह सब कम्फर्ट जोन के अत्याधिक बाहर निकलने का ही परिणाम था। साथ ही इसे गांधी जी के जीवन का एक दृष्टांत याद आता है गांधी जी अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने के कारण ही याद किये जाते हैं किन्तु कम्फर्ट जोन को पूर्ण से या ज्यादा छोड़ने का परिणाम था कि गांधी जी के एक पुत्र ने आत्महत्या कर ली थी। जो कि गांधी जी के जीवन (व्यक्तिगत) की कसौटी एक असफलता रूप में सामने आती है।

अतः समग्रता से यह कहे तो अपने कम्फर्ट जोन में रहकर व्यक्ति कम उत्पादक होता है तथा निष्क्रिय चिंतन का शिकार हो जाता है एवं समाज के लिए कुछ काम नहीं आ

Copyright – Drishti The Vision Foundation

48/125

पाता है। कम्फर्ट जोन से ही बाहर निकलकर ही व्यक्ति ज्यादा उत्पादक, संवेदनशील एवं देश के उत्थान में काम कर सकता है। किंतु अपने कम्फर्ट जोन से ज्यादा बाहर जाना भी हानिकारक होता है। इसलिए व्यक्ति को कोशिश करनी चाहिए कि कम्फर्ट से पर्याप्त जुड़ाव रखते हुए, उससे बाहर निकलना चाहिए ताकि वह अपने व्यक्तिगत जीवन एवं सामाजिक जीवन में संतुलन साध सके।

निबंध के संदर्भ में मूलभावना स्पष्ट है। किंतु यथास्थान सटीक उदाहरण को शामिल कर कंटेंट की गुणवत्ता को बढ़ाया जा सकता है।

"जहाज बंदरगाह पर सबसे अधिक सुरक्षित होता है, लेकिन वह उसके लिए ही बना नहीं है"।
+
"इस जीवन का लक्ष्य नहीं मात्र भवन में टिके रहना किंतु पहुंचना है उस पार जिसके आगे राह नहीं।"

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड-B/SECTION-B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

5. आशावादी और निराशावादी दोनों ही समाज में योगदान करते हैं। आशावादी हवाई जहाज का आविष्कार करता है, निराशावादी पैराशूट का।

   Both optimists and pessimists contribute to society. The optimist invents the aeroplane, the pessimist the parachute substitute for talent.

6. अधिकार वह नहीं है जो कोई आपको देता है; यह वह है जिसे कोई भी आपसे छीन नहीं सकता।

   A right is not what someone gives you; it's what no one can take away from you.

7. धैर्य एक गुण है, गुण एक अनुग्रह है।

   Patience is a virtue, virtue is a grace.

8. अनिश्चितता को रचनात्मकता को प्रज्वलित करना चाहिए, दुष्टता को नहीं।

   Uncertainty should ignite creativity, not depravity.

अधिकार वह नहीं है जो कोई आपको देता है; यह वह है जिसे कोई भी आपसे छीन नहीं सकता।

शुरुवाती समय में मनुष्य आखेट पर निर्भर रहता था। फिर उसमें संज्ञानात्मक क्रांति आई जिससे वह अपने आस-पास के परिवेश को समझने लगा। धीरे-धीरे विकास की प्रक्रिया प्रारम्भ हुई नवपाषाण काल में पहिये, व आग की खोज के साथ विकास में

Copyright – Drishti The Vision Foundation

तीव्रता आई। धीरे-धीरे कृषि उत्पादन करने लगा, फिर गांव की अवधारणा आई इसी क्रमिक विकास में सम्पत्ति की अवधारणा का जन्म है अधिकार इसी सम्पत्ति की अवधारणा की उपज है।

सम्पत्ति की धारणा ने अधिकारों को बढ़ावा दिया आगे चलकर इसी अधिकार एवं सम्पत्ति की सुरक्षा के लिए राज्य का जन्म हुआ। रूसो की सामान्य इच्छा के सिद्धांत के फलस्वरूप मानव ने अपनी सम्पत्ति एवं स्वयं की रक्षा के लिये अपने कुछ अधिकारों को राज्य को सौंप दिये।

लगभग एक ही स्केल से पैराग्राफ को शुरू करना बेहतर होगा।

अधिकार के अर्थ एवं अवधारणा की बात करें तो मनुष्य के चहुँमुखी एवं सर्वांगीण विकास

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

के लिए अधिकार अपरिहार्य है। तथा यह राज्य के विरुद्ध नागरिकों के दावे होते हैं।

अब बात आती है कि अधिकार क्या है। अधिकार वह नहीं है जो कोई आपको देता है, यह वह है जिसे कोई भी आपसे छीन नहीं सकता। इस अवधारणा पर बात करें तो यह ऐसे अधिकारों की बात को करती है जिसे कोई छीन नहीं सकता है।

अधिकारों के जहां तक छीनने की बात है जब तक अधिकारों की सुरक्षा न हो, वे अधिकार हो ही नहीं सकते हैं अर्थात अधिकारों की गारंटी होना इसके होने की अनिवार्य दशा है।

प्रकृति ने सभी को समान रूप से अधिकार दिये हैं तथा

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रकृति के संसाधनों पर सभी का समान रूप से अधिकार है इसलिए प्रकृति द्वारा दीये गये अधिकार किसे से छीने नहीं जा सकते इसलिये ये वास्तविक अधिकार है। इसी संदर्भ में रूसो ने भी प्रकृति की ओर लौटो का नारा दिया है।

प्रकृति से प्राप्त अधिकार जैसे- हवा से सांस लेने का अधिकार सूर्य से प्रकाश लेने का अधिकार, जल को ग्रहण करने का अधिकार, प्रकृति उत्पादित संसाधनों का अधिकार ये ऐसे अधिकार है जिन्हे हमसे कोई छीन नहीं सकता मानव इनके उपभोग के लिए स्वतंत्र है।

अधिकारों की स्वतंत्रता को महत्व देते हुए एवं अधिकारों को किसी के भी द्वारा न छीने के कारण संविधान में भी प्रावधान किया गया है कि नागरिकों को प्राप्त अधिकार छीने नहीं जा सकते इन्हे संविधान का बुनियादी ढांचा बताया है।

अधिकार व्यक्ति के जीवन के साथ-2 चलते है उसके विकास के लिए मार्गदर्शक होते है। ये प्रायः किसी से प्राप्त नहीं होते वरन प्रकृति द्वारा, होते है। मनुष्य के बौद्धिक, भौतिक, विकास में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है इसलिए अधिकारों की स्वतंत्रता की कल्पना की जाती है।

विश्व के विभिन्न दार्शनिक रूसो, मार्क्स, वाल्तेयर, गांधी, रवीन्द्रनाथ

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

टैगोर, विवेकानंद अधिकारों की स्वतंत्रता की बात करते हैं।

किन्तु अधिकार वहां तक ही उचित होते हैं जहां तक वे किसी दूसरों के अधिकारों का अतिक्रमण नहीं करते हैं इसीलिये किसी व्यक्ति के अधिकारों पर युक्तियुक्त प्रतिबंध करना भी जरूरी होता है ताकि सभी के अधिकारों को सुनिश्चित किया जा सके।

आदर्श समझते हैं कहा- [illegible] अधिकारों पर प्रतिबंद लगाना या छीनना जरूरी होता है तथा यह प्रतिबंद किस प्रकार दूसरों के अधिकारों को भी संरक्षित रखता है।

प्रकृति ने सबको समान अधिकार दिये हैं परिणाम-स्वरूप प्रकृति संसाधनों पर सबका अधिकार

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

है किन्तु जब स्वार्थपूर्ति हेतु प्रकृति के संसाधनों का अत्यधिक दोहन किया जाता है तो प्रकृति की सुरक्षा के लिए युक्तियुक्त प्रतिबंध लगाया जाता है। इसी संदर्भ में गांधी जी ने भी कहा है कि प्रकृति हमारी जरूरतों की पूर्ति कर सकती है किन्तु हमारे लालच की नहीं। इसलिये पर्यावरण प्रदूषण, खनन, कार्बन उत्सर्जन जैसे अधिकारों पर प्रतिबंध लगाया जाता है।

संविधान में नागरिकों को अधिकार प्रदान किये गये हैं किन्तु साथ ही अधिकारों पर प्रतिबंध लगाया गया है जहां वे दूसरों के अधिकारों का अतिक्रमण करते हैं जैसे अनुच्छेद 19(1) में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी गई है वहीं इसी अनुच्छेद 19(2) में हेट स्पीच पर प्रतिबन्ध लगाया गया है ताकि सामाजिक सौहार्द बना रहे।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इसी में वंचितों, महिलाओं, जनजातीयों की बात करें तो उन्हें विशेष अधिकार दिये गये है साथ ही उनकी संस्कृति की सुरक्षा के लिये बाहरी व्यक्ति को उनके अधिकारों के अतिक्रमण के लिए प्रतिबंधित किया गया है। महिलाओं को विशेष अधिकार दिये गये है जैसे पंचायतों में एक तिहाई आरक्षण एवं अनुसूचित जनजाति, जाति, पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिये आरक्षण दिये गये है।

इस प्रकार अधिकारों पर प्रतिबंध लगाना भी सर्वांगीण एवं समावेशी विकास के लिये जरूरी है। सामाजिक सौहार्द, अधिकारों के अतिक्रमण के लिये भी जरूरी है। किन्तु इनको प्रतिबंधित करने से व्यक्ति के मूलभूत अधिकारों को नहीं छीना जाता वरन् वे बने रहते है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

अब अगर निबंध के इतर पहले पर बात करें कि क्या अधिकार वे भी हो सकते है जो हमें दिये जाते है, तो हाँ कुछ अधिकार ऐसे भी होते है जो हमें प्राप्त होते है। या दिये जाते है एवं ये भी व्यक्ति के लिये पर्याप्त आवश्यक होते है।

वैश्विक स्तर पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा मानवाधिकारों की घोषणा की गई। साथ ही संविधान में भी नागरिकों को अधिकार दिये है जो सर्वांगीण, समावेशी एवं संतुलित विकास के लिये जरूरी है सरकार इनको देते है।

प्राकृतिक रूप से प्राप्त अधिकारों को यहाँ कानूनी रूप दिया गया है ताकि कोई इन्हें छीन न सके, प्राकृतिक अधिकारों में जीने- सोने की अधिकार,

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

स्वच्छ पर्यावरण का आदि। इससे अलग चुनाव का अधिकार, मताधिकार का अधिकार, छुआछूत के विरुद्ध अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार, व्यापार करने का अधिकार etc ये सभी अधिकार संविधान से प्राप्त है एवं व्यक्ति के विकास के लिए उतने ही जरूरी है जितने प्राकृतिक अधिकार।

"जो व्यक्ति अपने अधिकारों के लिए नहीं लड सकता वह पशु के समान होगा" (महात्मा गांधी)

वैश्विक स्तर पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा शरणार्थियों के लिये कुछ अधिकार दिये गये है। शोषितों के लिये अधिकार दिये गये है एवं वंचितों के लिए अधिकार दिये गये है।

वास्तव में यदि देखे तो जब तक अधिकारों का संस्थानीकरण नहीं होता है तब तक अधिकार

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

अव्यवस्थित रहते है एवं वास्तविक अर्थ अधिकारों का तब निकलता है जब यह हमें किसी के द्वारा प्रदान किये जाते है क्योंकि ऐसी अवस्था में हम अधिकारों के हनन में उस संस्था/प्राधिकारी के पास जा सकते हैं। जिसने हमें अधिकार दिये है।

प्रकृति से प्राप्त अधिकार असीमित होते है जो हमें प्रकृति से स्वतंत्र रूप से प्राप्त है किंतु ऐसे अधिकारों की तब तक सार्थकता, क्रियाशीलता नहीं रहती है जब तक उन्हे क्रियान्वित करने को सुव्यवस्थित प्राधिकारी न हो, ऐसे अवस्था में व्यक्तियों में परस्पर प्रतिस्पर्धा के चलते एक-दूसरे के अधिकारों का अतिक्रमण होता है।

अब अगर अधिकारों

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

के छीनने या प्रतिबंध की बात करें तो युक्तियुक्त प्रतिबंध भी उतना ही आवश्यक है जितना अधिकारों की स्वतंत्रता, प्रतिबंध होने से अधिकारों अधिकारों के अतिक्रमण का भय समाप्त हो जाता है एवं सबको समान अधिकार, समान अवसर प्राप्त होते हैं।

समग्रतः यदि बात करें तो अधिकार वास्तविक तब होते हैं जब तक वे हमसे कोई छीन न सके। हमारे अधिकारों की गारंटी ही हमारे अधिकारों के महत्व को दर्शाती है। केवल सिर्फ वही अधिकार, अधिकार नहीं होते जो छीने न जा सके बल्कि वे भी उतना ही महत्व होते हैं जितने किसी के द्वारा प्रदान किये गये अधिकार।

इसलिये अधिकारों के मध्य संतुलन होना चाहिए।

drishti | 641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

53/125

निबंध के विषयानुसार विश्लेषणात्मक क्षमता अच्छी है। अधिकतम आयामों को निबंध में शामिल करने का प्रयास अच्छा है।

एवं असल अधिकार उत्तरदायित्व के साथ आते हैं इसलिये उत्तरदायित्व पूर्ण होके ही हमें अपने अधिकारों का उपयोग करना चाहिए साथ ही अधिकारों का प्रयोग ऐसे करने चाहिए ताकि वे किसी दूसरे के अधिकारों का अतिक्रमण न करें।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | 641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्राचीन - खाद्य संग्रहक
अभिलेख
१९५१

आजीविका - नहीं - कोई आपको ढेला

कोई भी आपसे छीन सकते

तभी महत्वपूर्ण हैं - तभी महत्व है

आजीविका

छीने नहीं

प्रकृति लोलो

पर्यावरण आजीविका

सालू
जूप किरणों आजीविका
पानी प्रकृति

लोगों सामान्य
लोहिलाल

32

छीन नहीं सकता

आशावाद

डिपेगये जलती

→ संविधान

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कम्फर्ट ज़ोन खूबसूरत जगह, वहाँ कुछ नहीं उगता

नेतृत्व और ... ही
बाद में इतिहास
वैज्ञानिक बने

उदाहरण — बौद्ध — कनक / सिद्धार्थ

जैन महावीर

गांधी - 1, ईश्वरचन्द्र, नेहरू

तेलेन्द्र

बौद्ध, जैन

→ इतिहास < चन्द्रगुप्त / चन्द्रशेखर / अशोक

APJ अब्दुल कलाम

→ स्वतंत्रता → गाँधी . . . .

अम्बेडकर आदि → 1R → लिंकन (हत्या) (सुकरात - कम्फर्ट ज़ोन)

→ संविधान — सामाजिक सेवा → ईश्वरचन्द्र विद्यासागर / राजा राम, अम्बेडकर

→ महिला → घर त्यागीत - बहुत उत्पादक आत्मविश्वास

रहना कार्य

कम्फर्ट जहाँ — बाहर निकलना नुकसान

पर्याप्त दोहन - कम्फर्ट से बाहर निकले

विश्व युद्ध - अत्याधिक उपनिवेश शोषण

युद्ध → अन्तरिक्ष - एक कल्पना चावला सुनीता ही

प्रौद्योगिक विकास (बाधा)

ज्ञान कम्फर्ट रहना जाती

गुलामी पैदाता पालन < किसी गुट में न रहना (जाती)

भारत कभी हस्तक्षेप करता

महंगा ले ... जना

नहीं रहा - सदस्य और रही

→ सम्पर्क

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)